गुजरात

द डिवाइन लाइफ सोसायटी वडोदरा शाखा द्वारा २४ सितम्बर २०१५ को 'एटर्नल मैसेज ऑफ स्वामी चिदानन्दा टू मैनकाइन्ड' (स्वामी चिदानन्द जी का मानवता को शाश्वत सन्देश) विषय पर एक 'सिम्पोज़ियम' (विचार-गोष्ठी) आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम 'वास्विक हॉल' में परम पूज्य श्री स्वामी जी महाराज के १०० वें जन्म दिवस वर्ष प्रारम्भ के उपलक्ष्य में किया गया था।

बी ए पी एस के श्री स्वामी ज्ञानवत्सलानन्ददास जी महाराज, वैष्णव आचार्य चन्द्रगोपाल जी महाराज, चिन्मय मिशन के श्री स्वामी देवेशानन्द जी, स्वामी स्वप्रकाशानन्द जी महाराज, स्वामी निराकारानन्द जी महाराज तथा डा. जयन्त दवे जी ने परम पूज्य स्वामी जी महाराज को श्रद्धा-सुमन समर्पित करते हुए उनके साथ अपने प्रेमपूर्ण संस्मरण सुनाये तथा उनकी प्रेरणाप्रद शिक्षाओं से श्रोताओं को अवगत कराया। इस कार्यक्रम में ३०० के लगभग भक्त उपस्थित थे।

तमिलनाडु

द डी एल एस शाखा ट्रिप्लीकेन, चेन्नै द्वारा १६ से २१ सितम्बर २०१५ तक शिवानन्द फाउन्डेशन, चेन्नै में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में आध्यात्मिक प्रवचन, पादुका पूजा तथा संकीर्तन मेला रखा गया था। संकीर्तन मेला का उद्घाटन पूज्य श्री स्वामी निरंजनानन्द गिरि जी महाराज, पीठाधिपति श्री ज्ञानानन्द गिरि पीठम्, थैन्नान्गुर, वन्दावासी तालुक द्वारा किया गया। कार्यक्रम का विशेष अंग तमिल पुस्तिका, 'लाइफ एण्ड वर्क्स ऑफ़ स्वामी चिदानन्दा' (श्री स्वामी निरंजनानन्द गिरि जी द्वारा रचित) का विमोचन था। यह पुस्तिका स्वामी चिदानन्द जन्म शताब्दी प्रचार-यात्रा के तमिलनाडु आगमन के समय नि:शुल्क वितरण के लिए छापी गयी है।

मुख्यालय आश्रम

गौणा, चमोली जिले में दो स्कूल भवनों का उद्घाटन

परम पूज्य श्री स्वामी चिदानन्द जी महाराज के जन्म शताब्दी महोत्सव के परम पुनीत अवसर के उपलक्ष्य में, मुख्यालय आश्रम द्वारा चमोली जिले के गौणा नामक गाँव में गवर्मेन्ट प्राइमरी

स्कूल में एक नये भवन के निर्माण तथा पूर्ण निर्मित भवन के नवीनीकरण के उदात्त कार्य करने का निश्चय किया था।

गौणा गाँव, चमोली जिला पार करने के उपरान्त बद्रीनाथ सड़क से २५ किलोमीटर दूर बिराही नदी के ऊपर एक घाटी में सुदूर पर्वतीय क्षेत्र में स्थित है। विद्यालय के दो भवन थे, एक पूर्णतया ध्वस्त हो गया था और दूसरा बहुत ही कमजोर

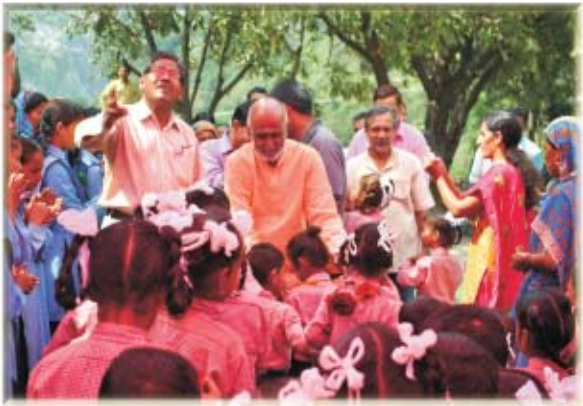

स्थिति में था। पूज्य श्री स्वामी अद्वैतानन्द जी महाराज तथा आश्रम के अन्य सदस्यों द्वारा पूरा निरीक्षण करने पर मुख्यालय आश्रम ने कमजोर भवन को सुदृढ़ करने तथा ध्वस्त भवन के स्थान पर नव निर्माण करने का निश्चय किया। एन सी पी डी पी (नेशनल सेन्टर फार पीपल्ज एक्शन इन डिजास्टर प्रीपेयर्डनेस) के तकनीकी सहयोग के साथ निर्माण कार्य सितम्बर २०१५ के प्रथम सप्ताह में पूर्ण कर दिया गया।

दोनों भवनों का उद्घाटन तथा उसे औपचारिक रूप से शिक्षा विभाग को सौंपने का कार्यक्रम २६ सितम्बर २०१५ को आयोजित किया गया। परम पूज्य श्री स्वामी पद्मनाभानन्द जी महाराज दुर्गम यात्रा करते हुए, ब्रह्मचारी गोपी जी, स्वामी श्रीधरानन्द जी तथा ब्रह्मचारी महेन्द्रन जी के

साथ गौणा गाँव पहुँचे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता की। वहाँ पर एकत्रित हुए सभी ग्रामवासियों ने इन सबका हार्दिक स्वागत करते हुए, द डिवाइन लाइफ सोसायटी के प्रति इस उदात्त कार्य के लिए अत्यधिक आभार अभिव्यक्त किया। श्री स्वामी जी महाराज ने संगमरमर-पट्टिका के अनावरण द्वारा दोनों भवनों का उद्घाटन किया तथा चमोली के जिला शिक्षा अधिकारी, श्री राजेन्द्र प्रसाद दंदारियार (जिन्होंने

इस योजना को सम्पन्न करवाने में पूर्ण सहयोग दिया था) को चाबियाँ पकड़ा दीं। एक सुन्दर सांस्कृतिक कार्यक्रम विद्यालय के छात्रों द्वारा प्रस्तुत किया गया।

स्वामी जी महाराज द्वारा प्रसाद वितरण करने के उपरान्त कार्यक्रम समाप्त हुआ।

'माई स्कूल सत्य सुरभि' कोडैकनाल, तमिलनाडु में नयी कक्षा (भवन) समर्पण का कार्यक्रम

श्रीमती वाणी बाई ('चिल्ड्रन्ज़ शिवानन्दा' पुस्तक की लेखिका) तथा उनका परिवार सद्गुरुदेव श्री स्वामी शिवानन्द जी महाराज तथा परम पूज्य श्री स्वामी चिदानन्द जी महाराज का गहन भक्त रहा है। वाणी माता जी की बेटी श्रीमती पद्मिनी मनी, अट्टुवामपट्टी, कोडैकनाल में किसानों के बच्चों को नि:शुल्क शिक्षा देने के लिए, 'माई स्कूल सत्य सुरभि' नाम से एक प्राथमिक विद्यालय चला रही हैं। मुख्यालय आश्रम की वित्तीय सहायता से, परम पूज्य श्री स्वामी चिदानन्द जी महाराज की पावन स्मृति में, विद्यालय में छात्रों के लिए एक नये कक्ष का निर्माण किया गया है।

इस नये कक्ष का समर्पण कार्यक्रम ८ अक्तूबर २०१५ को रखा गया था। परम पूज्य श्री स्वामी पद्मनाभानन्द जी महाराज ने मुख्य अतिथि पद को सुशोभित करते हुए परम पूज्य श्री स्वामी चिदानन्द जी महाराज की पावन स्मृति में नवनिर्मित कक्ष समर्पित किया। श्री स्वामी जी महाराज ने 'लिविंग इन हारमनी विद नेचर' (प्रकृति के साथ सामंजस्यतापूर्वक जीना) विषय पर उपस्थित श्रोताओं को सम्बोधित किया तथा वेदों में से उद्धरण देते हुए विद्यार्थियों को वातावरण एवं चहुँओर स्वच्छता एवं शुद्धता रखने के लिए प्रेरित किया। 'माई स्कूल सत्य सुरभि' के विद्यार्थियों द्वारा योगासन प्रदर्शन तथा जिज्ञासा गिरी के विद्यार्थियों द्वारा कथक नृत्य प्रदर्शन, कार्यक्रम की विशेषताएँ रहीं।

अखिल भारत आध्यात्मिक प्रचार यात्रा का शुभारम्भ

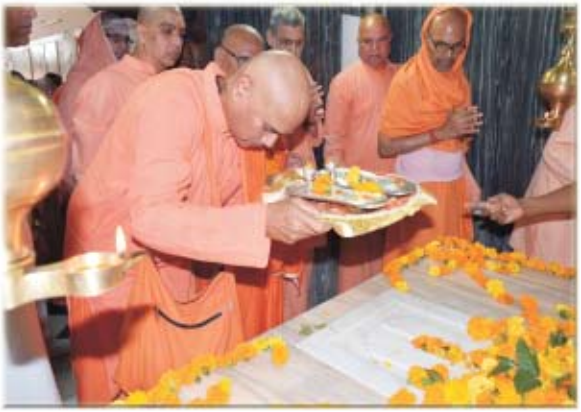

सद्गुरुदेव श्री स्वामी शिवानन्द जी महाराज तथा परम पूज्य श्री स्वामी चिदानन्द जी महाराज की दिव्य शिक्षाओं के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से, परम पूज्य श्री स्वामी चिदानन्द जी महाराज के जन्म शताब्दी महोत्सव के पावन अवसर के उपलक्ष्य में 'अखिल भारत आध्यात्मिक प्रचार यात्रा' का शुभारम्भ पावन समाधि मन्दिर से, विजयादशमी के शुभ दिन, २२ अक्तूबर को दोपहर १ बजे अत्यन्त श्रद्धा-भक्ति, हर्षोल्लास एवं उत्साहपूर्वक हुआ। सद्गुरुदेव तथा पूज्य श्री स्वामी चिदानन्द जी महाराज ने सुन्दर चित्रों एवं उनकी शिक्षाओं से सुसज्जित किया गया 'प्रचार यात्रा रथ' अनगुल, ओडिशा के श्री ए. के. दास जी द्वारा अत्यन्त प्रेमपूर्वक भेंट किया गया था। मुख्यालय आश्रम से एक भव्य शोभा यात्रा का आयोजन किया गया था जिसमें आश्रम के वरिष्ठ स्वामी जी, संन्यासी, ब्रह्मचारी, भक्त, अतिथि तथा विभिन्न विद्यालयों के छात्रों ने अत्यन्त उत्साहपूर्वक भाग लिया। भगवन्नाम संकीर्तन के साथ समस्त ऋषिकेश के पथ को आध्यात्मिक तरंगों से आनन्द-पूरित करते

हुए शोभा यात्रा आश्रम गोशाला की ओर बढ़ी। गोशाला के मार्ग पर विभिन्न आश्रमों के भक्तों ने तथा

विभिन्न संस्थाओं के सदस्यों ने यात्रा का हार्दिक स्वागत किया तथा सद्गुरुदेव और श्री स्वामी जी

महाराज की श्रद्धापूर्वक पूजा की।

सद्गुरुदेव श्री स्वामी शिवानन्द जी महाराज की पादुकाओं को साथ लिये हुए, श्री स्वामी शिवचिदानन्द जी महाराज, श्री स्वामी धर्मनिष्ठानन्द जी, डा. जयन्त बी. दवे जी तथा श्री राधामोहन जी की यह यात्रा मण्डली, दिव्य जीवन के पावन ज्ञान का प्रसार-प्रचार करती हुई १०० दिनों में सारे भारतवर्ष में भ्रमण करेगी।

सर्वशक्तिमान् परमात्मा, सद्गुरुदेव श्री स्वामी शिवानन्द जी महाराज तथा पूज्य श्री स्वामी चिदानन्द जी महाराज के आशीर्वाद सभी पर हों! * * *